Dr. Kanwal Jeet Singh Sokhey, Scientific Officer/G and Head, Thin Film Lab, Synchrotrons Utilization Section, superannuated on January 31, 2021 after a meritorious service of 22 years in the Department of Atomic Energy. Dr. Sokhey did his graduation and post-graduation from Kurukshetra University, Haryana and his M. Tech. and Ph.D. from IIT Delhi. He then worked for a few years as a scientist at IIT Delhi and IIT Kanpur and joined RRCAT, in the Low Temperature Physics Laboratory of Cryogenics & Superconductivity Section in 1999. At RRCAT, his primary research interest had been in experimental condensed matter physics with particular emphasis on the physical understanding of the phenomenon of magnetism in bulk and thin films and the fabrication of device quality thin films and multilayers and their characterization. Some of the focus area of his work includes studies on disorder induced first order transition in superconducting and magnetic materials. He also has a large number of peer reviewed journal publications to his credit. Dr. Sokhey developed a number of experimental setups, which include magnetron and cathodic arc sputtering systems, low temperature resistivity measurement setup and the commissioning and maintenance of 16 Tesla magnet system. RRCAT family wishes him and his family a happy, healthy and fulfilling post-retirement life.

Shri R. K. Khare, Scientific Officer/G, Proton Linac Development Division, superannuated on June 30, 2021 after a meritorious service of more than 35 years in the Department of Atomic Energy. Shri R. K. Khare, completed Diploma in Mechanical Engineering in 1981 and acquired AMIE degree in Mechanical Engineering in 1990. He joined BARC, Mumbai as Scientific Assistant/B in the year 1984 and moved to RRCAT, Indore in 1989. At RRCAT, he contributed significantly to sealed-off CO_2 Laser for medical application. Shri R. K. Khare contributed in engineering design and fabrication of a variable pole gap dipole magnet for hands-on experiment for training school and OCAL students. He contributed in mechanical design of arc and RF ion source development for proton linac application. He received Group Achievement Award in 2018, along with team members for his contributions in the "Indigenous development of cold filament driven multi-cusp H^- ion source for proton linac". RRCAT family wishes him and his family a happy, healthy and fulfilling post-retirement life.

N.15: राराप्रप्रौके में राजभाषा गतिविधियाँ: जनवरी 2021 - जून 2021

01 जनवरी 2021 से 30 जून 2021 तक की छ:माही के दौरान दिनांक 11.01.2021 को केंद्र में विश्व हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एम.जी.एम. मेडिकल कॉलेज, इंदौर के सह-प्राध्यापक डॉ. दीपक बंसल, एमडी (मेडिसिन) ने "कोविड-19 : तथ्य, भ्रांतियां एवं बचाव के उपाय" विषय पर बहुत ही रोचक, ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी व्याख्यान दिया। व्याख्यान का विडियो बनाकर आरआरकेट इन्फोनेट पर सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सूचना एवं कोरोना संबंधी जानकारी के लिए उपलब्ध करवाया गया। दिनांक 11.02.2021 को आयोजित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की ऑनलाइन बैठक में इस केंद्र से निदेशक, आरआरकेट के प्रतिनिधि के रूप में वर्ग निदेशक श्री पुरुषोत्तम श्रीवास्तव ने भाग लिया तथा उनकी सहायता के लिए उप निदेशक (राजभाषा) श्री एच.सी. तिवारी ने भी नराकास बैठक में भाग लिया। राजभाषा कार्यान्वयन समिति की दो बैठकें क्रमशः दिनांक 24.03.2021 एवं 29.06.2021 को निदेशक महोदय की अध्यक्षता में आयोजित की गई। कोविड-19 महामारी का ध्यान रखते हुए तथा इस संबंध में भारत सरकार एवं परमाणु ऊर्जा विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का कड़ाई के साथ पालन करते हुए दिनांक 23.03.2021 तथा 25.06.2021 को दो नियमित हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जिनमें क्रमशः 24 तथा 11 अधिकारियों / कर्मचारियों ने भाग लिया। कंप्यूटर पर फोनेटिक की-बोर्ड के माध्यम से हिंदी टंकण अभ्यास हेतु दिनांक 17 एवं 18 मार्च, 2021 को 4 अर्ध-दिवसीय अभ्यास कार्यशालाएं आयोजित की गईं, जिनमें कुल 36 अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में मंच पर विराजमान थे – केंद्र निदेशक श्री देवाशीष दास, वर्ग-निदेशक (टीडीएसजी) डॉ. अनिल रावत एवं प्रमुख (कंप्यूटर प्रभाग) डॉ. अल्पना राजन।

विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर मंच पर विराजमान डॉ. दीपक बंसल, एमडी (मेडिसिन) एवं सह-प्राध्यापक, एम.जी.एम. मेडिकल कॉलेज (दायीं ओर), श्री देवाशीष दास, निदेशक, राराप्रप्रौके (मध्य में) तथा पुरुषोत्तम श्रीवास्तव, निदेशक, प्रोटॉन त्वरक वर्ग (बायीं ओर)।

प्रस्तुति:
एच.सी. तिवारी (ddol@rrcat.gov.in)